मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–109

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-109 : हिन्दी उपन्यास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) जीवन-रंगशाला का वह निर्दय सूत्रधार किसी अगम गुप्त स्थान पर बैठा हुआ अपनी जटिल क्रूर क्रीड़ा

दिखा रहा है। यह कौन जानता था कि नकल असल होने जा रही है, अभिनय सत्य का रूप ग्रहण करने वाला है। निशा ने इन्दु को परास्त करके अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था। उसकी पैशाचिक सेना ने प्रकृति पर आतंक जमा रखा था। सद्वृत्तियाँ मुँह छिपाये पड़ी थीं और कुवृत्तयाँ विजय-गर्व से इठलाती फिरती थीं।

(ख) मैंने बीच में बात काटकर कहा—"अब न आऊँगा। नहीं आना चाहिए। मैं तो तुमको अपनी ओर से भी यही समझाने वाली थी। जो समाज में हैं, समाज की प्रतिष्ठा कायम रखने का जिम्मा भी उन पर है। वह उनका कर्त्तव्य है। जो उसके उच्छिष्ट हैं या उच्छिष्ट बनना पसंद करते हैं, उन्हीं को जीवन के साथ नये प्रयोग करने की छूट हो सकती है।"

(ग) श्रद्धा और विश्वास ऐसी संजीवन बूटी है कि जो एक बार घोलकर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है। फिर भी देखते हो मैं कितना सतर्क हूँ, मैंने केवल उन्हीं बालकों और युवाओं को लिया है जो कसरत करते हैं। जब तक रक्त शुद्ध है तब तक कोई रोग छू नहीं सकता।

(घ) तपस्या बड़ी वस्तु है परन्तु सुनता हूँ कि तपस्या करने वाले भय और अहंकार के कारण आत्म दमन में लीन हो जाते हैं और इस आत्म दमन को परम पद समझकर दूसरों को आतंकित करने लगते हैं। जब ऐसे लोगों को इस लोक में गौरव नहीं मिल पाता है तब उस लोक में उतने अधिक गौरव के पाने की आशा पर उनको अचम्भा होने लगता है और पागल से हो जाते हैं।

(ङ) दस वर्ष का यह विवाहित जीवन—एक अँधेरी सुरंग में चलते चले जाने की अनुभूति से भिन्न न था। आज जैसे एकाएक वह उसके अन्तिम छोर पर आ गई है। पर आ पहुँचने का संतोष भी तो नहीं है, ढकेल दिए जाने की विवश कचोट-भर है। पर कैसा है यह छोर ? न प्रकाश, न वह खुलापन, न मुक्ति का एहसास।

2. उपन्यास के तत्वों पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला की चारित्रिक विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

4. 'त्यागपत्र' उपन्यास के कथानक की विवेचना कीजिए। 16

5. 'मानस का हंस' उपन्यास के परिवेश की विवेचना कीजिए। 16

6. 'मृगनयनी' उपन्यास के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 16

7. 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए। 16

8. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×8=16

(क) शैली के आधार पर उपन्यास के भेद

(ख) 'निर्मला' उपन्यास की भाषा

(ग) उपन्यासकार जैनेन्द्र

(घ) 'मानस का हंस' के प्रमुख पात्र

× × × × ×